सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 149 | जौनपुर, शनिवार, 24 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चार दिवसीय ओडिशा दौरे पर जाएंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ओडिशा की चार दिवसीय यात्रा करेंगी। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू मयूरभंज, क्योंझर, गंजम, खुर्दा और संबलपुर सहित कई जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगी। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी को राष्ट्रपति मयूरभंज जाएंगी, जहां उनका रायरंगपुर में कई परियोजनाओं की आधारशिला रखने और अन्य का उद्घाटन करने का कार्यक्रम है। सूत्रों के मुताबिक 29 फरवरी को वह धरणीधर विश्वविद्यालय में आदिवासियों पर एक राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का उद्घाटन करने के लिए क्योंझर जाने से पहले मयूरभंज स्थित किचकेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना करेंगी। उसी दिन शाम को वह भुवनेश्वर में उत्कल विश्वविद्यालय के 53वें दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी और शहर के राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगी। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू एक मार्च को गंजम जिले के बेहरामपुर विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेंगी। वह दो मार्च को दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले संबलपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगी।

मैं आयुर्वेद और समग्र जीवनशैली का समर्थक हूं – सीजेआई

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि वह आयुर्वेद के समर्थक हैं और लोगों को समग्र रूप से स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए। वह उच्चतम न्यायालय परिसर में आयुष समग्र कल्याण केंद्र के उद्घाटन के मौके पर एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर आयुष, बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल तथा आयुष राज्य मंत्री डॉ. मुंजपारा महेंद्रभाई भी उपस्थित थे। उच्चतम न्यायालय और अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के बीच आयुष समग्र कल्याण केंद्र की स्थापना, संचालन और विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान करने के संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, मेरे लिए यह एक संतोषजनक क्षण है। जब से मैंने सीजेआई का पद संभाला है तब से मैं इस पर काम कर रहा हूं। मैं आयुर्वेद और समग्र जीवनशैली का समर्थक हूं। उन्होंने कहा, ''हमारे पास 2000 से अधिक कर्मचारी हैं और हमें न केवल न्यायाधीशों तथा उनके परिवारों के लिए, बल्कि स्टाफ सदस्यों के लिए भी जीवन जीने का एक समग्र स्वरूप देखना चाहिए। मैं अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के सभी चिकित्सकों का बहुत आभारी हूं।

युद्ध की प्रकृति में बदलाव, हमें आधुनिक तकनीक अपनाने की जरूरत – नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी। एजियन से दक्षिण चीन सागर के लिए जब हम उड़ान भरते हैं, तो नई दिल्ली बिल्कुल बीच में पड़ता है। इससे यह साफ होता है कि वर्तमान योजना में गुरुत्वाकर्षण का केंद्र नई दिल्ली ही है। यह कहना है कि नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार का। एडमिरल कुमार विदेश मंत्रालय और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित रायसीना डायलॉग में बोल रहे थे। रायसीन डायलॉग में उन्होंने कहा कि हाल के सभी संघर्षों में फिर चाहे वह इस्राइल हमास युद्ध हो या यूक्रेन रूस युद्ध, जंग की प्रकृति में बदलाव आया है। इसलिए हमें अब आधुनिक तकनीकों के उपयोग को अपनाने की जरूरत है। तकनीके हाल में काफी अधिक किफायती और सुलभ होती जा रही हैं। हमें अब समुद्री क्षमताओं में निवेश की आवश्यकता है। कार्यक्रम में संयुक्त राज्य अमेरिका के यूएस इंडो पैसिफिक कमांड के कमांडर एडम जॉन सी एक्विलिनो ने कहा कि हमें अपने बल की रक्षा करनी चाहिए। वाणिज्य के मुक्त प्रवाह की रक्षा करनी चाहिए। ग्रीस के प्रधानमंत्री ने हाल ही में कार्यक्रम में कहा था कि किरियाकोस मित्सोटाकिस के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और ग्रीस की चिंताएं और प्राथमिकताएं एक समान हैं। हमने आतंकवाद से निपटने में अपने सहयोग को और मजबूत बनाने के बारे में विस्तार से चर्चा की। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़ता सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास को दर्शाता है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए कार्य बल का गठन किया गया है। इससे हम रक्षा, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद और समुद्री सुरक्षा जैसी आम चुनौतियों में सहयोग बढ़ा सकते हैं।

सात साल में यूपी की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हुई - मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत तेजी के साथ आगे बढ़ती नई अर्थव्यवस्था है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में हम देश पर 200 वर्ष शासन करने वाले ब्रिटेन को पीछे छोड़कर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। देश के साथ ही उत्तर प्रदेश ने भी अपनी अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाया है। पिछले सात सालों में उत्तर प्रदेश में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) और प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हो गई है। सीएम योगी गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी के साथ गोरखपुर में आयकर विभाग के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सबसे अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है। यहां का सीडी रेशियो 45 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत के करीब पहुंच गया है। अगले वित्तीय वर्ष में इसे 65 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। प्रदेश में इनकम टैक्स रिटर्न भरने वालों की संख्या भी बढ़ी है। वर्ष 2014 में जहां 1 लाख 45 हजार लोग इनकम टैक्स रिटर्न भरते थे, आज वह संख्या 12 लाख पर पहुंच चुकी है। बैंकों की तरफ से भी उत्तर प्रदेश के विकास में योगदान देने के लिए सर्वाधिक रुचि दिखाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार टैक्सपेयर्स के लिए प्रक्रियाओं का सरलीकरण कर रही है। टैक्सपेयर्स से मिला पैसा ही देश के विकास के

काम आता है। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प दिलाया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए नागरिक कर्तव्यों की सबसे बड़ी भूमिका होगी। हर व्यक्ति अपनी भूमिका को अच्छे से समझ कर उसका निर्वाह करेगा तो विकसित भारत का लक्ष्य हर हाल में प्राप्त कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयकर दाताओं को कर जमा करने के लिए स्वतः स्फूर्त तैयार करना नागरिक दायित्व भी है।

चीन के साथ रिश्तों में संतुलन बनाना आसान नहीं - जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर के निशाने पर एक बार फिर चीन था। मंच भी वही कूटनीतिक विमर्श का आयोजन रायसीना डायलाग था। शुक्रवार को इस आयोजन के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के साथ द्विपक्षीय रिश्ते को लेकर चीन श्माइंड गेमश (दिमाग का खेल) खेल रहा है। लेकिन भारत के पास भी संतुलन बनाने के लिए दूसरे विकल्प मौजूद हैं। भारतीय विदेश मंत्री ने बेहद साफगोई से स्वीकार किया कि दोनों देशों के लिए द्विपक्षीय रिश्तों में संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण साबित होने वाला है और यह आसान नहीं होगा। एक दिन पहले इसी मंच से विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की राह में रोड़े अटकाने को लेकर चीन को आड़े हाथों लिया था। रायसीना डायलाग के एक सत्र के दौरान विदेश मंत्री से यह पूछा गया था कि क्या भारत व चीन के तनावपूर्ण रिश्तों में संतुलन बनाना संभव होगा। इसके जवाब जयशंकर ने कई चरणों में दिया। पहले उन्होंने कहा, अस्सी के दशक से ही दोनो देशों के बीच सीमा विवाद को लेकर एक सहमति थी। अब एक पक्ष (चीन) उस सहमति से अलग हो रहा है। सीमा पर उनका व्यवहार कैसा है, यह हम देख रहे हैं। हमारी तरफ से भी उन्हें वापस धक्का दिया जा रहा है। मेरे ख्याल से किसी संतुलन पर पहुंचना और उस संतुलन को बना कर रखना बहुत ही चुनौतीपूर्ण होगा। यह दोनो देशों के लिए चुनौतीपूर्ण है। यह आसान नहीं है। जयशंकर ने यह भी कहा कि दोनो देशों के बीच माइंड गेम होगा और यह सिर्फ इन दोनों देशों के बीच होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह माइंड गेम नहीं होनी चाहिए। भारतीय विदेश मंत्री का यह कहना कि भारत व चीन के रिश्तों में दुनिया के दूसरे 190 देशों का कोई महत्व नहीं है, का भी

अपना अलग महत्व है।

उन्होंने चीन के संदर्भ में यह भी कहा,

उनका यह जवाब तब आया है जब दो दिन पहले ही भारत और चीन के बीच सीमा विवाद सुलझाने के लिए सैन्य वार्ता संपन्न हुई है और इसमें कोई नतीजा निकलने का संकेत नहीं मिला है। मई, 2020 से ही दोनो देशों के बीच सीमा विवाद चल रहा है। भारत के पूर्वी लद्दाख से सटे वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास कई जगहों पर दोनों देशों की सेनाएं अभी भी कुछ दूरी पर तैनात हैं। संतुलन साधने के लिए दुनिया के दूसरे हिस्सों में उपलब्ध अवसरों के बारे में संभवतरू विदेश मंत्री का मंतव्य क्वाड संगठन का है जिसका गठन भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान व ऑस्ट्रेलिया को मिला कर किया गया है। ये चारों देश हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों पर लगााम लगाने की मंशा रखते हैं, ताकि इस महत्वपूर्ण समुद्री क्षेत्र को कारोबार व आवागमन के लिए सुरक्षित रखा जा सके।

चीन स्थिर हो जाएगा और भारत तेजी से करेगा विकास

इन आशंकाओं को भी परोक्ष तौर पर खारिज कर दिया कि चीन एक बड़ी आर्थिक शक्ति है, तो भारत पर वह दबाव बना सकेगा। उन्होंने कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि चीन आज एक बड़ी शक्ति है। चीन ने पहले शुरुआत की थी और उसमें लगातार, अच्छे तरीके से कोशिश की, लेकिन यह प्रकृति का नियम है कि एक समय वो स्थिर हो जाएगा और भारत तेजी से विकास करेगा।

बातचीत से सामाधान निकालना चाहिए – टिकैत

नई दिल्ली, एजेंसी। एमएसपी पर गारंटी और कर्ज माफी सहित तमाम मांगों को लेकर केंद्र और किसानों के बीच कई दौर की बातचीत बेनतीजा रही। इस बीच भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) नेता राकेश टिकैत का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि बातचीत के जरिए ही समाधान निकलना चाहिए। टिकैत ने आगे कहा जंगलों में रहने वाले लोग पर्यावरण की रक्षा करते हैं। बिहार से लेकर आंध्र प्रदेश तक वन क्षेत्र में आदिवासी जंगल की पूजा करते हैं। कोई भी सेना और किसान आमने–सामने नहीं खड़े हैं। हमारी सेना में भी ऐसे लोग हैं जो किसानी पृष्ठभूमि से आते हैं। बातचीत से समाधान निकलना चाहिए। केंद्र से लगातार बातचीत चल रही है। इस बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को घोषणा की कि केंद्र ने मंत्रियों की तीन सदस्यीय समिति की स्थापना की है। यह समिति किसानों के साथ बातचीत कर रही है। किसानों के विरोध प्रदर्शन पर वित्त मंत्री ने कहा, श्केंद्र ने मंत्रियों की तीन सदस्यीय समिति बनाई है और किसानों के साथ चर्चा और बातचीत कर रही है। सीतारमण ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। पीएम मोदी ने छोटे और सीमांत किसानों के लिए भी काम किया है। मैं उन सभी की सूची प्रदान कर सकती हूं जो पीएम मोदी ने किसानों के लिए किया है। उनकी आय बढ़ाने से लेकर छोटे–छोटे खर्चों में सहायता करने तक, पीएम मोदी ने किसानों के कल्याण के लिए हर कदम उठाया है।

ई–मार्केटप्लेस पर सेवाओं की खरीद 2023–24 में बढ़कर 1.82 लाख करोड़ हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी ई–मार्केटप्लेस (जीईएम) के माध्यम से सेवाओं की खरीद चालू वित्त वर्ष के दौरान 22 फरवरी तक 176 प्रतिशत बढ़कर 1,82,000 करोड़ रुपये हो गई। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आँकड़ों में बताया गया है कि 2022–23 में यह आँकड़ा 66 हजार करोड़ रुपये था। मंत्रालय ने कहा कि सेवाओं की खरीद का कुल मूल्य अब वित्तीय वर्ष में उत्पादों की खरीद के कुल मूल्य से अधिक है जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह विभिन्न खरीददारों द्वारा सेवाओं की तेजी से स्वीकार्यता को इंगित करता है। फरवरी 2024 में सेवाओं की खरीद अभूतपूर्व रही है, जिसका योगदान जीईएम पर किए गए कुल ऑर्डर मूल्य का लगभग 80 प्रतिशत है। चालू वित्त वर्ष में

कुल खरीद में सेवाओं का हिस्सा 50 प्रतिशत से अधिक हो गया है। कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड द्वारा लगभग 40 हजार करोड़ रुपये की दो बोलियों ने सेवा खरीद में हिस्सेदारी बढ़ा दी है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, जीईएम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी.के. सिंह ने कहा कि जीईएम ने डिजिटल क्षमताओं का उपयोग किया है।

वामपंथी उग्रवाद पर नकेल कसने में मिली सफलता - शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले नौ सालों में नक्सली हिंसा में आई कमी और नक्सलवाद के सिमटे दायरे का हवाला देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद के आधार के खात्मे का ऐलान किया है।एक्स पर वीडियो के साथ कई पोस्ट जारी करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आक्रामक नीतियों के बदौलत वामपंथी उग्रवाद पर नकेल कसने में निर्णायक सफलता मिली है। इसके साथ ही नक्सल प्रभावित जिलों को समेकित विकास की दूरदर्शी नीतियों की वजह से उसका जनाधार खत्म हो चुका है। ध्यान देने की बात है कि अमित शाह अगले तीन सालों में नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने का ऐलान कर चुके हैं।

नक्सलियों की फंडिंग रोकने के किये गए प्रयास

अमित शाह के अनुसार नक्सलवाद के खात्मे के लिए मोदी

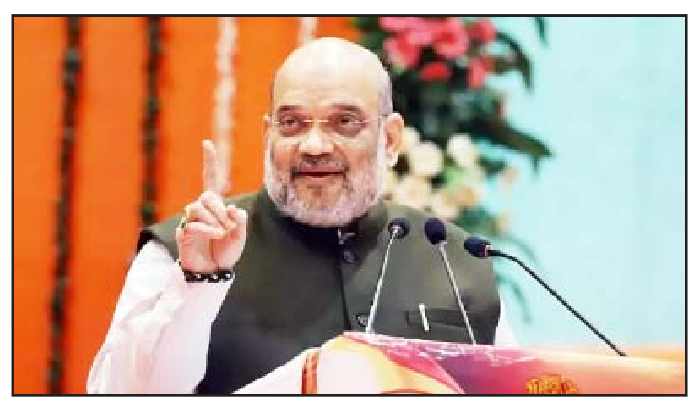

सरकार ने पिछले 10 सालों में समेकित नीति अपनाई। इसके तहत एक ओर सुरक्षाबलों को नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन की खुली छूट दी गई और उन्हें जरूरी सुविधाओं और साजो सामान से लैस किया गया। दूसरी ओर नक्सलियों के खाली कराए गए क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं को तेजी से पहुंचाया गया ताकि वहां की जनता दोबारा नक्सलियों के भ्रामक प्रचार से बच सके। इसके साथ ही इस दौरान नक्सलियों की फंडिंग रोकने के भी प्रयास किये गए। अमित शाह के अनुसार 2019 के बाद से पांच सालों में नक्सल इलाकों में सुरक्षा बलों के 195 नए कैंप, 250 किलेबंद थाने बनाने के साथ ही 10 टास्क फोर्स का गठन किया गया। इसी तरह से ईडी और एनआईए ने नक्सलियों की फंडिंग से जुड़े लोगों पर कार्रवाई करते हुए उनकी संपत्ति को जब्त करने का काम किया है। नक्सल वाद के खात्मे के कगार पर पहुंचाने में मोदी सरकार की स्वास्थ्य व शिक्षा संबंधी आधारभूत संरचनाओं के निर्माण ने बड़ी भूमिका निभाई है। इस सिलसिले उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण के साथ–साथ बड़े पैमाने पर एकलव्य विद्यालयों और कौशल विकास केंद्रों की स्थापना का हवाला दिया। कि मोदी सरकार ने यहां के गरीबों का दिल जीतने का काम किया है। इसके लिए राज्य सरकारों से समन्वय के साथ काम किया गया है।

मोदी की गारंटी है- हर लाभार्थी को शत-प्रतिशत लाभ

वाराणसी, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब उन्होंने उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला नशेड़ी शब्द सुना तो वह हैरान रह गए। राहुल गांधी का नाम लिए बिना पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस परिवार के राजकुमार कहते हैं कि यूपी के युवा नशेड़ी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने मोदी को गाली देने में दशकों बिताए। लेकिन अब वे अपनी हताशा लोगों पर प्रकट कर रहे हैं। राहुल पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस के युवराज का कहना है कि काशी के नौजवान, यूपी के नौजवान नशेड़ी हैं। जिनके अपने होश ठिकाने नहीं हैं, वो यूपी के, मेरी काशी के बच्चों को नशेड़ी कह रहे हैं। मोदी को गाली देते–देते तो इन्होंने 2 दशक बिता दिए और अब ईश्वर रूपी जनता– जनार्दन पर, यूपी के नौजवानों पर ही ये लोग अपनी हताशा निकाल रहे हैं। अरे घोर परिवारवादियों... काशी का, यूपी का नौजवान तो विकसित यूपी बनाने में जुटा है, अपना समृद्ध भविष्य लिखने के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा कर रहा है। उन्होंने कहा कि आजकल तो इनके गुस्से का, इनकी बौखलाहट का एक और भी कारण है। इनको काशी और अयोध्या का नया स्वरूप बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा। ये अपने भाषणों में राम मंदिर को लेकर कैसी–कैसी बातें करते हैं। मैं ये नहीं जानता था कि कांग्रेस को प्रभु श्रीराम से इतनी नफरत है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये अपने परिवार और वोटबैंक से बाहर देख नहीं सकते, सोच नहीं सकते। तभी तो हर चुनाव के दौरान साथ आते हैं और जब परिणाम 'निल बटे सन्नाटा' आता है तो ये एक–दूसरे को गाली देते हुए अलग हो जाते हैं। इस बार तो इनको जमानत बचाने के लिए ही बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। मोदी की गारंटी है– हर लाभार्थी को शत–प्रतिशत लाभ। मोदी लाभार्थियों के सैचुरेशन की गारंटी दे रहा है, तो यूपी ने भी सारी सीटें मोदी को देने का निर्णय किया है। यानी इस बार यूपी शत–प्रतिशत सीटें एनडीए के नाम करने वाला है। अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करते समय मोदी ने कहा।

पानी बिलों के लिए एकमुश्त समाधान योजना को रोकने की कोशिश कर रही भाजपा – आप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने पानी के भारी–भरकम बिलों में सुधार के लिए प्रस्तावित एकमुश्त समाधान योजना पर सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं होने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों पर निशाना साधा और पार्टी पर लोगों की परेशानियों से खुश होने का आरोप लगाया। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा बुलाई बैठक का भाजपा ने बहिष्कार किया। भाजपा अधिकारियों के माध्यम से इस योजना को रोकने का भरसक प्रयास कर रही है। भाजपा ने कहा कि अगर केजरीवाल दिल्ली जल बोर्ड से जुड़ी अनियमितताओं सहित सभी कथित अनियमित ताओं

पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं तो वह बैठक में निश्चित रूप से शामिल होगी। केजरीवाल ने सर्वदलीय बैठक के दौरान कहा कि बैठक में भाजपा विधायकों की अनुपस्थिति एकमुश्त समाधान योजना के प्रति उनके विरोध का संकेत देती है। केजरीवाल के मुताबिक, इस योजना का उद्देश्य दिल्ली में लाखों लोगों को राहत प्रदान करना है। मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया।

संपादकीय

एकता बनाये रखना जरूरी

केंद्र में सत्तारुढ़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने के लिए देश के 28 प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओं ने एक साथ मिलकर इंडिया गठबंधन बनाया है। इंडिया गठबंधन बनने से देश के लोगों को राजनीति में एक नया विकल्प तो मिला ही है। उसके साथ ही उन्हें लगने लगा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में इस गठबंधन में शामिल सभी राजनीतिक दल एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे तो भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को कड़ी टक्कर देंगे। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस सहित कई राष्ट्रीय व क्षेत्रीय पार्टियां शामिल हैं। इनमें से बहुत–सी क्षेत्रीय पार्टियों की उनके प्रदेशों में सरकार भी चल रही है। इंडिया गठबंधन की कई बैठकें भी हो चुकी हैं। मगर गठबंधन में सीटों का बंटवारा नहीं होने से आपसी मनमुटाव की स्थिति बनी हुयी है। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी है। ऐसे में कांग्रेस का दायित्व बनता है कि वह गठबंधन में शामिल सभी दलों को साथ लेकर आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सीटों का बंटवारे जल्दी से करे। मगर अभी तक ऐसा हो नहीं पाया है। चूंकि देश में 10 साल बाद भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का एक गठबंधन बना है। इसलिए इसको सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इसका संयोजक भी बनाया जाना चाहिए था। मगर कई महीने निकल जाने के बाद भी अभी तक विधिवत रूप से इंडिया गठबंधन के संयोजक का नाम घोषित नहीं हो पाया है। सीटों का बंटवारा नहीं होने के कारण गठबंधन में शामिल कई राजनीतिक दल नाराजगी जाहिर करने लगे हैं। इंडिया गठबंधन को लेकर कांग्रेस द्वारा बरती जा रही ढलाई के चलते ही बिहार में जनता दल यू गठबंधन से बाहर होकर फिर से एनडीए में शामिल हो गया है। जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार ने भाजपा के साथ मिलकर बिहार में सरकार भी बना ली है। नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन को बनाने वाले मुख्य राजनेताओं में शामिल थे। वह इंडिया गठबंधन के संयोजक बनना चाहते थे। मगर गठबंधन में शामिल कई दलों के नेताओं में आपसी खींचातान के चलते नीतीश कुमार संयोजक नहीं बन सके। इसी से खफा होकर उन्होंने इंडिया गठबंधन को छोड़ दिया। जीतन राम मांझी की हम पार्टी बिहार में पहले ही इंडिया गठबंधन से बाहर निकल चुकी थी। इसी तरह उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने भी भाजपा से गठबंधन कर इंडिया गठबंधन को अलविदा कह दिया है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही इंडिया गठबंधन में शामिल वामपंथी दलों से किसी भी तरह का चुनावी गठबंधन करने से इंकार कर दिया है। ममता बनर्जी ने बंगाल में कांग्रेस के लिए उनकी मौजूदा दो लोकसभा सीटों को ही छोड़ने की बात कही है। जबकि कांग्रेस वहां अधिक सीटों पर दावा कर रही थी। इससे वहां सीटों का तालमेल नहीं हो पा रहा है। ममता बनर्जी ने अकेले ही चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही ममता बनर्जी त्रिपुरा, असम और गोवा में भी चुनाव लड़ने की बात कह रही हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ सीटों का बंटवारा नहीं होने के चलत 31 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों की एकतरफा घोषणा कर दी थी। इनमें वह लोकसभा सीटें भी शामिल हैं जहां से कांग्रेस चुनाव लड़ने का दावा कर रही है। अखिलेश यादव की एकतरफा घोषणा से उनका कांग्रेस के साथ गठबंधन खटाई में पड़ता नजर आ रहा था। मगर कांग्रेस ने अखिलेश यादव की सभी शर्तें मान कर उत्तर प्रदेश में गठबंधन को टूटने से बचा लिया है। अखिलेश यादव ने कांग्रेस को 17 सीटें दी हैं। बिहार में राजद, कांग्रेस, वामपंथी दलों को मिलकर चुनाव लड़ना है। मगर वहां नीतीश कुमार की जदयू के गठबंधन से बाहर जाने के बाद लालू प्रसाद यादव की राजद 28 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कर रही है। जबकि कांग्रेस वहां 10 सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है। वामपंथी दल भी वहां आठ सीटों पर दावा कर रहे हैं। ऐसे में यदि समय रहते बिहार में सीटों का बंटवारा नहीं हुआ तो गठबंधन की गांठ ढीली पड़ जाएगी। तमिलनाडु में कांग्रेस ने 2019 में द्रुमक के साथ मिलकर नौ सीटों पर चुनाव लड़कर आठ सीट जीती थी। मगर अब कांग्रेस वहां 16 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। जबकि द्रुमक कांग्रेस को 7 सीट ही देना चाहती है। तमिलनाडु में भी इंडिया गठबंधन में शामिल दलों में सीट बंटवारे को लेकर आपसी रार मची हुई है। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को दिल्ली में तीन सीट देने की बात कही है। वहीं पंजाब में सीटों के बंटवारे को लेकर अभी तक बात नही बनी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तो पंजाब में आम आदमी पार्टी द्वारा अकेले ही चुनाव लड़ने की घोषणा भी कर दी थी। आप ने कांग्रेस से हरियाणा, गुजरात, गोवा, असम की कुछ सीटों की भी मांग की है। महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) व कांग्रेस की महाविकास अघाडी के साथ वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के प्रकाश अंबेडकर के शामिल होने से महाविकास अघाड़ी मजबूत हुई है। मगर महाराष्ट्र में भी अभी सीटों का बंटवारा नहीं हो पाया है। हालांकि महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल एकजुटता के साथ चुनाव में उतरने को तैयार हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दलों को एक साथ मिलकर चुनाव लड़ना होगा तभी वह भाजपा से मुकाबला कर पाएंगे। इसके लिए सबसे पहले इंडिया गठबंधन के संयोजक का चयन करना होगा।

सार्वजनिक क्षेत्र में सीवीसी भूमिका

आदित्य

हाल के रुझानों और आंकड़ों के आधार पर, ऐसा प्रतीत होता है कि जब केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों, मंत्रालयों और विभागों में मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) की नियुक्ति की बात आती है, तो केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के पास भारतीय रेलवे सेवा कैडर के अधिकारियों के लिए स्पष्ट प्राथमिकता है। हाल ही में, केंद्र ने इन पदों पर एक दर्जन से अधिक अधिकारियों की नियुक्ति को हरी झंडी दी, और विशेष रूप से, उनमें से एक महत्वपूर्ण हिस्सा भारतीय रेलवे सेवा से है। सूत्रों ने डीकेबी को बताया कि चार सीवीओ आईटीएस, आईआरएस, आईटी, आईपीएंडटीएएंडएफएस और आईओएफएस से संबंधित हैं और बाकी भारतीय रेलवे सेवा से हैं। यह प्रवृत्ति आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि अंदरूनी सूत्रों ने अक्सर सुझाव दिया है कि विभिन्न इलाकों और जलवायु क्षेत्रों में जटिल, पूंजी–गहन परियोजनाओं के प्रबंधन में उनके व्यापक अनुभव के कारण रेलवे अधिकारियों को एक अद्वितीय लाभ होता है। जबकि निश्चित रूप से आईपीएस, आईएफओएस, आईटीएस और आईआरएस सहित विभिन्न अन्य कैडरों के अधिकारी सीवीओ के रूप में समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि भारतीय रेलवे सेवा कैडर के अधिकारी एक अलग बढ़त रखते हैं। दिलचस्प बात यह है कि डेटा से पता चलता है कि आईएएस अधिकारियों को सीवीओ पदों के लिए कम पसंद किया जाता है, या इसके विपरीत। इस बीच, ए.एस. बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंध निदेशक राजीव को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एक समिति द्वारा सतर्कता आयुक्त (वीसी) के पद के लिए चुना गया था। उपभोक्ता निगरानी संस्था का लक्ष्य आईएएस कोचिंग विज्ञापन हैं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के नियामक प्राधिकरण, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने आईएएस कोचिंग सेंटरों की भागदौड़ भरी गाड़ियों के सामने एक स्टॉप साइन लगा दिया है! उपभोक्ता निगरानी संस्था ने भ्रामक विज्ञापनों के लिए कई आईएएस कोचिंग संस्थानों को नोटिस जारी किया है। सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए इन संस्थानों को टॉपर्स की सहमति के बिना उनके विज्ञापनों में उनके व्यक्तिगत विवरण का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीसीपीए ने कोचिंग संस्थानों की विज्ञापन रणनीति पर लगाम लगाने के लिए मसौदा दिशानिर्देश पेश किए हैं। सूत्रों ने डीकेबी को सूचित किया है कि सीसीपीए मुख्य आयुक्त निधि खरे ने बताया कि दिसंबर 2023 में आईएएस कोचिंग संस्थानों द्वारा भ्रामक विज्ञापनों की निगरानी के लिए एक समिति के गठन और पिछले महीने भ्रामक विज्ञापनों पर सीसीपीए द्वारा एक हितधारक परामर्श के बाद दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। हमने अक्सर 100 प्रतिशत चयन दर का दावा करने वाले या केवल सबसे असाधारण सफलता की कहानियों को प्रदर्शित करने वाले विज्ञापन देखे हैं। संस्थानों द्वारा बढ़ा–चढ़ाकर किए गए दावों का दायरा बहुत बड़ा है, यह देखते हुए कि जहां यूपीएससी 2022 में 933 उम्मीदवारों का चयन किया गया था, वहीं केवल 10 कोचिंग सेंटरों के विज्ञापनों में दावा किया गया था कि उनके 3,300 से अधिक ष्पूर्व छात्रोंष का चयन किया गया था। इन नियमों के लिए कोचिंग सेंटरों को अपने छात्रों की उपलब्धियों के बारे में पारदर्शी होने की आवश्यकता होगी, जिसमें उनके नाम, रैंक और पाठ्यक्रम अवधि जैसे विवरण प्रदान करना शामिल है। कोचिंग संस्थानों को जवाबदेह ठहराकर, सीसीपीए उन आकर्षक, भ्रामक विज्ञापनों पर वास्तविकता की जाँच कर रहा है, जिससे भविष्य के आईएएस उम्मीदवारों को बिना किसी धुएं और दर्पण के निष्पक्ष मौका मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के कहने पर गृह मंत्रालय ने राज्यों पर डीजीपी नियुक्तियों पर जोर दिया गृह मंत्रालय (एमएचए) ने राज्यों को पात्र अधिकारियों की उपलब्धता के बावजूद, कार्यवाहक पुलिस महानिदेशकों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया है। हाल ही में, केंद्रीय गृह सचिव अजय के. भल्ला ने सात राज्यों – उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, उत्तराखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के साथ तालमेल बिठाने की अनिवार्यता पर जोर दिया। अंतरिम राज्य पुलिस प्रमुखों को स्थापित करने की प्रचलित प्रथा। गौरव यादव से संबंधित इस मामले में पंजाब को पहले गृह मंत्रालय का नोटिस मिला था, जबकि उत्तर प्रदेश में मात्र 20 महीने के भीतर लगातार चौथा कार्यवाहक डीजीपी प्रशांत कुमार को पिछले महीने नियुक्त किया गया था।

पंजाब के किसान मोदी, भाजपा के असली विपक्ष

ललित

यह एक शर्मनाक तथ्य है कि 10 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी नरेंद्र मोदी सरकार और सत्तारूढ़ भाजपा–एनडीए के पास कोई विश्वसनीय विपक्ष नहीं है। श्री मोदी के एक दशक तक सत्ता में रहने के बाद भी राजनीतिक विपक्ष की ओर से कोई गंभीर चुनौती नहीं है। पंजाब के किसान, जिन्होंने 2020–21 में विरोध प्रदर्शन किया था और एक साल के लंबे आंदोलन के बाद सरकार को तीन विवादास्पद कानूनों को वापस लेने के लिए मजबूर किया था, लोकसभा चुनाव से पहले एक बार फिर सरकार को चुनौती दे रहे हैं। किसान अपने दम पर खड़े हैं और कोई भी पार्टी उनकी बात नहीं उठा पा रही है. उन्होंने विपक्षी दलों द्वारा सहयोजित होने से इनकार कर दिया है। फिर भी, वे कोई डमी विपक्ष नहीं हैं। भाजपा– एनडीए सरकार ऐसे समय में शर्मनाक स्थिति में है जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले ही जीत की घोषणा कर दी है, और उन्हें उनकी भारतीय जनता पार्टी का पूरा समर्थन प्राप्त है। लेकिन पंजाब के किसानों ने दिखा दिया कि देश के निर्विवाद नेता को कटघरे में खड़ा करना संभव है. यह कहने की संभावना है कि किसान मोदी सरकार के खिलाफ कमजोर विरोध कर रहे हैं क्योंकि जब मतदान की बात आती है, तो वे श्री मोदी और भाजपा के खिलाफ वोट करने को तैयार नहीं हैं। इसे 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जब पश्चिमी उत्तर प्रदेश के असंतुष्ट किसानों ने भाजपा को वोट दिया। सरकार ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले नवंबर 2021 में एक रणनीतिक कदम उठाते हुए तीन कृषि बिल वापस ले लिए थे। पंजाब में, वोट आम आदमी पार्टी (आप) को गया, लेकिन भाजपा राज्य में कोई मजबूत खिलाड़ी नहीं थी। इस बार किसानों का षदिल्ली चलोष आंदोलन कैसा रहेगा? क्या चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए मोदी सरकार आंदोलनरत किसानों से समझौता करेगी? किसानों का विरोध अब पंजाब तक ही सीमित है। हरियाणा और पश्चिमी यूपी के किसानों ने कहा कि वे स्थिति पर नजर रख रहे हैं और विरोध प्रदर्शन में शामिल होने पर फैसला लेंगे। इससे स्थिति प्रधानमंत्री और भाजपा के लिए शर्मनाक हो जाएगी। बहुप्रतीक्षित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, जो प्रति वर्ष 6,000 रुपये की गारंटी देती है, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि क्षेत्र के लिए दो प्रमुख योजनाएं, सरकार को किसानों के विरोध से बचाने में विफल रही हैं। यह केवल यह दर्शाता है कि कॉस्मेटिक कल्याण उपायों से किसानों को कोई खास मदद नहीं मिली है। दूसरा सवाल जो उठता है वह यह है कि क्या पंजाब के किसानों की मांगें, जिन्हें उनके रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन के कारण देश का कृषि अभिजात वर्ग माना जाता है, एक गंभीर शिकायत से पैदा हुई हैं या यह किसानों की शक्ति का एक राजनीतिक प्रदर्शन है . देश के अन्य हिस्सों के किसान तुलनात्मक रूप से गरीब हैं, और उनके पास सरकार से मांग करने के पर्याप्त कारण हैं, लेकिन वे चुप रहते हैं, और यहां तक कि वे श्री मोदी और भाजपा को वोट भी देते हैं। सरकार का दावा है कि उसने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अलावा विभिन्न कल्याणकारी उपायों के माध्यम से किसानों के लिए पर्याप्त से अधिक काम किया है, यह उन सभी चीजों की तरह ही संदिग्ध है जो वह करने का दावा करती है। ऐसा नहीं है कि पंजाब के किसान मोदी सरकार के कल्याणकारी उपायों के लाभार्थी नहीं हैं। और ऐसा नहीं है कि वे इतने लालची हैं कि वे सरकार द्वारा दी जाने वाली सौगातों में से अधिक चाहते हैं। उनकी मांगों में कुछ तर्क हैं, हालांकि यह मानना जरूरी नहीं है कि सरकार को उन सभी को स्वीकार करना चाहिए क्योंकि निवर्तमान लोकसभा में भाजपा के पास भारी बहुमत वाली पार्टी के लिए भी सीमाएं हैं। किसान नेता और सरकार की मंत्रिस्तरीय टीम के बीच बातचीत टकराव के रास्ते पर है, किसानों ने तीन दालों, तुवर या तुअर, उड़द, मूंग, मक्का और कपास सहित पांच फसलों के लिए एमएसपी सुनिश्चित करने की सरकार की पेशकश को अस्वीकार कर दिया है। किसानों के प्रतिनिधि निकाय, संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और किसान मजदूर मोर्चा (केएसएम), 23 फसलों के लिए कानूनी रूप से गारंटीकृत एमएसपी की अपनी मांग पर समझौता करने को तैयार नहीं हैं। विशेषज्ञों और सरकार दोनों ने तर्क दिया है कि सभी 23 फसलों के लिए एमएसपी की गारंटी नहीं दी जा सकती क्योंकि इसका मतलब होगा कि सरकार को अकेले एमएसपी के लिए 11 लाख करोड़ रुपये आवंटित करने होंगे। एसकेएम ने तर्क दिया है कि कानूनी रूप से गारंटीकृत एमएसपी का मतलब यह नहीं है कि सरकार को उन्हें खरीदना होगा, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि निजी क्षेत्र के खिलाड़ी जो बाजार में खाद्यान्न खरीदते हैं, वे इसे निर्धारित एमएसपी से सस्ती कीमत पर नहीं खरीद सकते हैं। यह एक उचित दावा है, लेकिन खाद्यान्न के निजी क्षेत्र के खरीदारों को एमएसपी का भुगतान करना आकर्षक नहीं लगता है। इस बार नरेंद्र मोदी सरकार कैसे अपना रास्ता बचाएगी? 2021 में, बस तीन कृषि बिलों को वापस लेने की जरूरत थी। इस बार कोई बफर नहीं है. सरकार को किसानों की मांगें माननी होंगी या उन्हें पीछे हटने के लिए मनाना होगा। किसान पीछे हटने को तैयार नहीं हैं. किसान प्रधानमंत्री और बीजेपी की पार्टी खराब कर सकते हैं क्योंकि वे पहले ही अपनी जीत का ऐलान कर चुके हैं चुनाव की तारीख की घोषणा हो गई है. किसान सभी राजनीतिक दलों को विरोध प्रदर्शन से दूर रखने में कामयाब रहे हैं।

माउंट कैलाश के करीब चीन खेल रहा नया बार्डर गेम

विनोद

पश्चिमी तिब्बत की एक समृद्ध ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है, विशेष रूप से भारत, नेपाल और तिब्बत के बीच सीमा के निकट, कैलाश पर्वत के निकट। यह पुरंगध्तकलाकोट और कुछ किलोमीटर दूर स्थित टोयो नामक स्थान का मामला है, जो जनरल जोरावर सिंह के डोगरा और तिब्बती सैनिकों के बीच हुए महाकाव्य युद्ध के लिए इतिहास में दर्ज हो गया है। दिसंबर 1841 में, डोगरा सैनिक, जिन्होंने हाल ही में पश्चिमी तिब्बत (जिसे नगारी के नाम से जाना जाता है) पर विजय प्राप्त की थी, तिब्बतियों से हार गए थे – और सर्दियों से भी। महान तिब्बती इतिहासकार, त्सेपोन शाकबपा ने तकलाकोटध्टोयो की लड़ाई का वर्णन इस प्रकार कियारू "तिब्बती सरकार ने तुरंत कैबिनेट मंत्री पेलहुन के नेतृत्व में दापोन ख्जनरल, शेड्रा वांगचुक ग्यालपो और त्सांग मध्य तिब्बत, मिलिशिया को भेजाय जब वे नगारी पहुंचे, तो विदेशी सेना की एक रेजिमेंट डोगरा, रुतोक ख्यैंगोंग–त्सो के पास, में, दूसरी ट्रैशिगांग में ख्लद्दाख सीमा पर डेमचोक के पास,, और तीसरी रूपशो में ख्लद्दाख में, तैनात थी। . प्रत्येक ख्डोगरा, इकाई का सामना करने के लिए तिब्बती सैनिकों के लिए गुप्त तैयारी की गई थी। जोरावर सिंह और सबसे अनुभवी ख्डोगरा, सैनिक, जो तकलाखार तकलाकोट, कैसल ख्वास्तव में तोयो में, में तैनात थे, उनका सामना हुआ... ग्यारहवें महीने खदिसंबर 1841, में, वर्ष के सबसे ठंडे मौसम के दौरान, तिब्बती सैनिकों ने हमला किया सभी दिशाओं से एक साथ। शकबपा के अनुसार, जोरावर सिंह और उनके सैनिकों का भाग्य तय हो गया था "लड़ाई शुरू होने के तीन दिन बाद, भारी बर्फबारी हुई। इस प्रकार, तकलाकोट में मौजूद सिख सैनिक ठोस हो गये। अपनी कठिनाइयों से कांपते हुए, सिखों पर तिब्बतियों द्वारा भयानक आमने–सामने की लड़ाई में हमला किया गया...जब जोरावर सिंह अपने घोड़े पर सवार होकर आगे–पीछे दौड़ रहे थे, तो उन्हें मिकमार नामक एक यासोर ने पहचान लिया। उसने भाला फेंका और जोरावर सिंह घोड़े से गिर गये। अपने घोड़े से छलांग लगाकर, मिकमार ने सिंह का सिर काट दिया और उसे तिब्बती शिविर के बीच में ले गया। इसे सिख ख्डोगरा, सैनिकों ने देखा, और वे जैसे भी हो सके भाग गए। कुछ महीने बाद, महाराजा गुलाब सिंह ने लद्दाख पर आक्रमण करने की कोशिश कर रही तिब्बती सेना को कुचल दिया। दापोन जुरखांग और दापोन पेल्जी को पकड़ लिया गया और लेह ले जाया गया, जहां डोगरा और तिब्बतियों के बीच एक शांति संधि पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे एक बार फिर लद्दाख और तिब्बत के बीच पारंपरिक सीमा की पुष्टि हुई। हाल ही में चर्चा में आए टोयो में जोरावर सिंह की कब्र आज भी मौजूद है, लेकिन अलग–अलग कारणों से। चीनी मीडिया के एक लेख में टोयो में एक नवनिर्मित गांव का उल्लेख किया गया है "चीन ग्रामीण जीवन के माहौल में सुधार को बढ़ावा देना जारी रखता है, हरियाली ख्क्षेत्र,, सौंदर्यीकरण और ख्जल, शुद्धिकरण पर पूरा ध्यान दे रहा हैय टोयो में परिवर्तन एक सुंदर और रहने योग्य ग्रामीण इलाके के निर्माण के लिए नगारी क्षेत्र के प्रयासों की एक ठोस अभिव्यक्ति है। एक स्थानीय कम्युनिस्ट पार्टी कैडर बताते हैं कि पिछले तीन वर्षों के दौरान, अकेले पश्चिमी तिब्बत में, रहने योग्य, औद्योगिक और सुंदर गाँव बनाने के लिए कुल 31 परियोजनाएँ लागू की गई हैंय उनके शब्दजाल में यह होगारू ष्सुंदर अवकाश वाले गांवों, खुशहाल और रहने योग्य गांवों, साफ सुथरे गांवों के सिद्धांतों के अनुसार। लेकिन टोयो में एक नया गाँव क्यों? न्यूजवीक कहता

है "ऐसा प्रतीत होता है कि चीन ने देश के दक्षिण–पश्चिमी सीमा क्षेत्रों में एक नए बांध का निर्माण पूरा कर लिया है, एक ऐसी परियोजना जिसका उसके दक्षिणी पड़ोसियों भारत और नेपाल के लिए दूरगामी रणनीतिक प्रभाव हो सकता है।" मापचा सांगपो (या पीकॉक नदी, जिसे भारत में घाघरा या सरयू और नेपाल में करनाली भी कहा जाता है) पर निर्मित, यह निचली आबादी के लिए ताजे पानी की आपूर्ति का एक बारहमासी स्रोत है। अजीब बात यह है कि भारतीय सीमा के करीब स्थित इस जलविद्युत संयंत्र का अस्तित्व पहले किसी भी प्रकाशित चीनी योजना में सामने नहीं आया है। हालाँकि सैटेलाइट इमेजरी केवल एक मध्यम नदी–दर–नदी बांध दिखाती है, बिना किसी बड़े जलाशय के, भारत के डाउनस्ट्रीम को चिंतित होना चाहिए। लेकिन और भी बहुत कुछ है. जलविद्युत संयंत्र और मॉडल गांव से कुछ किलोमीटर उत्तर में एक नया हवाई अड्डा बन रहा है।

पंचायतों को और अधिक प्रभावी बनायें

रवि

भारत में पंचायत राज व्यवस्था के इतिहास में 24 अप्रैल 1993 का दिन महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन पंचायत राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान करने के लिए संविधान (73वां संशोधन) अधिनियम लागू हुआ था। पंचायत राज व्यवस्था नागालैंड, मेघालय, मिजोरम और दिल्ली को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मौजूद है। त्रिस्तरीय प्रणाली ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत (जीपी), ब्लॉक/मंडल स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद है। पंचायत राज मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2022–23 के अनुसार, देश भर में 2,55,623 ग्राम पंचायतें हैं, जिसके बाद मध्यवर्ती पंचायतें (6,697) और जिला परिषदें (665) हैं। वे कृषि, ग्रामीण आवास, जल प्रबंधन, ग्रामीण विद्युतीकरण, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता सहित विभिन्न कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं। कुछ मामलों में, जिला परिषदें स्कूलों, अस्पतालों, औषधालयों और लघु सिंचाई परियोजनाओं के रखरखाव के लिए भी जिम्मेदार हैं। चूँकि उन्हें धन के लिए केंद्र और राज्य पर निर्भर रहना पड़ता है, अधिकांश पंचायतें शीर्ष दो स्तरों के हस्तक्षेप से पीड़ित होती हैं। पिछले अगस्त में, कई पंचायत प्रमुखों ने पंचायत राज संस्थानों के लिए अधिक स्वायत्तता की मांग करते हुए चेन्नई में विरोध प्रदर्शन किया।

राजस्व प्राप्तियाँ

जनवरी में जारी पंचायत राज संस्थानों के वित्त पर आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, पंचायतों ने 2022–23 में 35,354 करोड़ रुपये (2021–22 में 37,971 करोड़ रुपये) का कुल राजस्व दर्ज किया। इसमें से, केवल 737 करोड़ रुपये (कुल राजस्व का 2.1:) स्वयं के कर राजस्व के माध्यम से अर्जित किए गए थे, जो मुख्य रूप से पेशे, भूमि राजस्व, स्टांप और पंजीकरण शुल्क, संपत्ति और सेवा कर पर कर के माध्यम से है। पंचायतों ने गैर–कर राजस्व के माध्यम से 1,494 करोड़ रुपये (कुल राजस्व का 4.2:) कमाए, जो ज्यादातर ब्याज भुगतान और पंचायत राज कार्यक्रमों से हुई कमाई है। इसके विपरीत, उन्होंने केंद्र (24,699 करोड़ रुपये) और राज्य सरकारों (8,424 करोड़ रुपये) से सहायता अनुदान के रूप में 33,123 करोड़ रुपये (कुल राजस्व का 93.7:) कमाए। चूँकि उनके राजस्व का बड़ा हिस्सा अनुदान के रूप में आता है, इससे उनकी खर्च करने की क्षमता सीमित हो जाती है जो पहले से ही संबंधित राज्यों में राज्य वित्त आयोगों की स्थापना में देरी के कारण बाधित है। आरबीआई की रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि सभी स्रोतों से प्रति पंचायत औसत राजस्व 2021–22 में 23.20 लाख रुपये था और 2022–23 में यह घटकर 21.23 लाख रुपये हो गया।

हस्तांतरण सूचकांक

हस्तांतरण सूचकांक पंचायत राज संस्थानों के कार्यों, वित्त और पदाधिकारियों के साथ–साथ संस्थानों में जवाबदेही को मापता है और तदनुसार राज्यों को रैंक करता है। सूचकांक किसी राज्य को तीन मापदंडों पर रेटिंग देता है। पहला, विषयों का स्थानांतरण यानी पेयजल, ग्रामीण आवास, परिवार कल्याण और महिला एवं बाल विकास सहित कितने कार्य पंचायतों के नियंत्रण में हैं। दूसरा, पदाधिकारियों का स्थानांतरण, यानी कितने पद पंचायतों ने अपने बूते भरे। तीसरा, वित्त का हस्तांतरण, यानी, पंचायतें अपने दम पर धन का कितना हिस्सा जुटाती हैं और वे अपने निर्णयों के आधार पर कितना हिस्सा खर्च कर सकती हैं। पंचायत राज मंत्रालय द्वारा तैयार पंचायत हस्तांतरण सूचकांक (पीडीआई) का उपयोग करके राज्यों को चार ग्रेड में वर्गीकृत किया गया है। 40: तक स्कोर वाले ग्रेड डी में, 40–60: ग्रेड सी में, 60–75: ग्रेड बी में, 75–90: ग्रेड ए में आते हैं, जबकि 90: से ऊपर स्कोर करने वालों को ए के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। उच्च हस्तांतरण सूचकांक स्कोर वाले राज्य केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु हैं जबकि असम, पंजाब, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड निचले स्थान पर हैं। पंद्रहवें वित्त आयोग ने अपने दायरे में आने वाली पांच साल की अवधि यानी 2021–26 के लिए 2,36,805 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं। आयोग ने अनुदान राशि का लाभ उठाने के लिए ऑडिटेड खातों की ऑनलाइन उपलब्धता को एक शर्त के रूप में निर्दिष्ट किया – इस अनुदान का 60: विशेष रूप से पानी और स्वच्छता से संबंधित क्षेत्रों से जुड़ा था। आयोग ने केंद्र सरकार से ऐसे अनुदान की प्राप्ति के दस कार्य दिवसों के भीतर राज्य सरकारों द्वारा स्थानीय निकाय अनुदान जारी करने का आदेश दिया, जिसमें उक्त अवधि से परे किसी भी देरी के लिए एक विशिष्ट ब्याज दर का भुगतान किया जाना था।

दक्षता में सुधार

कई पंचायतें वित्तीय बाधाओं का सामना करती हैं, जिससे विकास परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से निष्पादित करने की उनकी क्षमता सीमित हो जाती है। केंद्र और राज्य सरकारों के और आवंटन बढ़ाने से कुछ हद तक पंचायतों के राजस्व में मदद मिल सकती है। बिचौलियों के माध्यम से धनराशि भेजने के बजाय सीधे पंचायतों को धनराशि हस्तांतरित की जा सकती है। संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद, सरकार के उच्च स्तर से राजनीतिक हस्तक्षेप एक चुनौती बनी हुई है। पंचायतों को सरकार के उच्च स्तर द्वारा उनके लिए निर्णय लेने के बजाय धन के आवंटन और उपयोग के बारे में निर्णय लेने का अधिकार दिया जाना चाहिए। पंचायत सदस्यों और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम उन्हें वित्तीय संसाधनों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और विकास परियोजनाओं को लागू करने में सक्षम बनाएंगे। पारदर्शिता और जवाबदेही के मुद्दों को नियमित बैठकें आयोजित करके, सूचना प्रकाशित करके, ई–गवर्नेंस प्रणाली लागू करके और इसके माध्यम से संबोधित किया जा सकता है। सामाजिक अंकेक्षण का संचालन. इस संबंध में, मंत्रालय ने एक उपयोगकर्ता–अनुकूल वेब–आधारित पोर्टल ई–ग्राम स्वराज लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य विकेंद्रीकृत योजना, वित्तीय प्रबंधन, कार्य–आधारित लेखांकन आदि में बेहतर पारदर्शिता लाना है। मंत्रालय ने हाल ही में एक ऑनलाइन एप्लिकेशन भी शुरू किया है – ऑडिट ऑनलाइन जो न केवल पंचायत खातों की ऑडिटिंग की सुविधा प्रदान करता है।

जिलाधिकारी का अभिनव प्रयास, मिशन समर्थ से बहुरेगें दिव्यांग बच्चों के दिन

जौनपुर। भारतीय रेडक्रास सोसायटी शाखा जौनपुर की बैठक जिलाधिकारी/अध्यक्ष श्री रविन्द्र

कुमार मॉदड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

रेडक्रॉस की जनपदीय समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने गरीबों की मदद करने में रेडक्रॉस की अग्रणी भूमिका की सराहना की। रेडक्रॉस जिला शाखा के सहयोग से अत्यंत निर्धन बच्चों के दिल में छेद की सर्जरी, गूगे बहरे बच्चों की सर्जरी, मोतियाबिंद आदि कराये कार्यों के बारे में जानकारी ली साथ ही जिलाधिकारी ने दिव्यांग बच्चों की दिव्यांगता दूर कर स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ ही समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से अभिनव प्रयास करते हुए मिशन समर्थ का आगाज किया।

जिलाधिकारी ने बताया कि मिशन समर्थ के तहत जनपद में 4 वर्ष से लेकर 10 वर्ष तक के बच्चों को चिन्हित कर ,कुशल डाक्टर से जॉच कराकर आवश्यकतानुसार सर्जरी कराकर उनकी दिव्यांगता को दूर किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, सीएमओं डॉ0 लक्ष्मी सिंह और जिला कार्यक्रम अधिकारी आर बी सिंह को निर्देशित किया कि 4 वर्ष से 10 वर्ष के बच्चों को चिन्हित कर सूची उपलब्ध करायें जिससे उनकी स्क्रीनिंग कराकर बच्चों का अगले 03 से 04 महीने के अन्दर आपरेशन कराया जाया सके।

उन्होने जनपद के व्यवसायियों, अधिकारियों, नागरिकों और अन्य सम्मानित जनों से अपील किया है कि रेड क्रास सोसाइटी के माध्यम से ऐसे गरीब परिवारों को सम्बल प्रदान करें, जिलाधिकारी ने कहा कि वे स्वंय भी हर सम्भव सहयोग करेंगे। बैठक में जिलाधिकारी के कार्यकाल के दौरान जनपद रामपुर में मिशन समर्थ के तहत कराये गये दिव्यांग बच्चों के आपरेशन के पूर्व और बाद के तस्वीरों की वीडियों क्लीपींग दिखायी गयी जिलाधिकारी ने कहा कि इसी प्रकार से कार्य करते हुए दिव्यांग बच्चों को भी मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास किए जाए।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, सीमओ डॉ लक्ष्मी सिंह, डॉ राजीव कुमार, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, रेडक्रॉस के सचिव डा. मनोज वत्स , इन्द्रभान सिंह, इन्दू, अमित गुप्ता, कोषाध्यक्ष डा0 संदीप पाण्डेय,शशिकांत सिंह डॉ.शैलेश सिंह,डॉ सुभाष राय, रवि सिंह, विद्याधर राय विद्यार्थी, जनार्दन सिंह ,राज कुमार बिंद, राकेश कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

महिलाएं सिलाई करेंगी और पुरुष ड्रेस अस्पतालों में सेलिंग करेंगे

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मेडिकल पेशेंट पेटेंट ड्रेस की नवाचार गुडिया देबी ने मीडिया से वार्ता करते हुए बताया कि मै गुड़िया देवी पति गंगा राम मकान नं०T/14H बी ब्लाक 103 रेलवे कालोनी डाली गंज लखनऊ शीतल राज सर्जिकल प्राइवेट लि. कम्पनी के द्वारा मेडिकल पेशेन पेटेन्ट ड्रेस की लांचिंग हुई।मुख्य अतिथि उप .मुख्य चिकित्सा अधिकारी लखनऊ वैधनाथ यादव , रहे स जो मरीज गम्भीर बीमार हैं या की बिस्तर पर पड़े है, लकवा के मरीज है या फैक्चर के मरीज हैं या आपरेशन होने वाला है या हुआ है ऐसे मरीजो के लिए मेडिकल पेशेन्ट ड्रेस बहुत ही उपयोगी ड्रेस साबित होगी । गुड़िया देवी ने ड्रेस के फायदे के बारे में बताया कि अस्पतालों में भर्ती मरीजों के हाथों में लगी निडिल एवं पेशाब में नली पड़ी होने के बावजूद ड्रेस बड़ी आसानी से बदलवाई जा सकती है और काफी सुविधाएं जैसे साफ सफाई, ऑपरेशन, फ्रैक्चर या कोई गंभीर ग्रसित होने के बावजूद या बेड पर पड़े मरीज को मेडिकल पेशेंट पेटेंट ड्रेस बड़ी ही आसानी से बदलवई जा सकती है। महिला महिला की ड्रेस बदलवा सकती है पुरुष पुरुष की ड्रेस बड़ी आसानी से बदलवा सकते हैं। अब कोई किसी प्रकार की मरीज को बदलवाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। मेडिकल पेशेंट पेटेंट से उत्तर प्रदेश में रोजगार मिलेगा। उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में लगभग 100 से भी ज्यादा महिलाओं एवं पुरुषों को रोजगार मिलेगा। एक टीम महिलाओं की होगी ड्रेस सिलाई के लिए दूसरी टीम डिलीवरी मैन पुरुषों की होगी। महिलाएं सिलाई करेगी और पुरुष ड्रेस अस्पतालों में सेलिंग करेंगे। लगभग प्रत्येक जिले में 200 से भी ज्यादा महिलाओं एवं पुरुषों को मेडिकल पेंशन ड्रेस से रोजगार मिलेगा। उत्तर प्रदेश में लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा और ऐसे भारत में तो करोड़ों लोगों से भी ज्यादा लोगों को मेडिकल पेशेंट पेटेंट से रोजगार मिलेगा।

शिक्षक समस्याओं को लेकर बीएसए से मिला प्रतिनिधि मंडल

बीएसए डा. गोरखनाथ पटेल ने समस्याओं के निराकरण का दिया आश्वासन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जौनपुर का एक प्रतिनिधि

मंडल जिलाध्यक्ष अमित सिंह एवं जिला मंत्री सतीश पाठक के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जौनपुर से मुलाकात कर शिक्षकों की समस्याओं से अवगत कराया। जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने बताया कि दिव्यांग शिक्षकों के वाहन भत्ते का पुनरीक्षण का शासनादेश काफी पहले आ जाने के बाद भी जनपद में दिव्यांग शिक्षकों का वाहन भत्ते का पुनरीक्षण नही किया गया। अतः तत्काल जनपद के दिव्यांग शिक्षकों को इस लाभ से लाभान्वित किया जाए। वर्तमान में महिला शिक्षकों के बाल्य देखभाल अवकाश सीसीएल देय के संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा स्वीकृत ना किए जाने के प्रकरण को भी गम्भीरता से अवगत कराया। पारस्परिक स्थानांतरण में एआरपी के म्यूचुअल ट्रांफर में आ रही समस्या को भी अवगत कराते हुए आवेदन करने वाले व स्थानांतरण सूची में आने वाले एआरपी को उनके विद्यालय से कार्यमुक्त कर नवीन विद्यालय में कार्यभार ग्रहण का आदेश किया जाए। अंतर्जनपदीय स्थानान्तरण के फलस्वरूप विभिन्न जनपदों में गए शिक्षकों के सर्विस बुक प्रेषण ना किए जाने को भी जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को अवगत कराया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल ने शिक्षक समस्याओं को त्वरित संज्ञान लेते हुए सम्बंधित पटल के सहायक को इसके निस्तारण हेतु निर्देशित किया और प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि शिक्षकों की सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारित किया जाएगा। प्रतिनिधि मंडल में जिला प्रचार मंत्री मनोज सिंह, शाहगंज के ब्लॉक अध्यक्ष शाहगंज सजल सिंह व वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामयश विश्वकर्मा इत्यादि शिक्षक शामिल रहे।

जानकीपुरम पुलिस ने शातिर चोर किया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस आयुक्त एस०बी० शिरडकर द्वारा वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त (उत्तरी जोन) के निर्देशन व अभिजित आर0 शंकर के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त अलीगंज बृजनारायण सिंह व प्रभारी निरीक्षक थाना जानकीपुरम उपेन्द्र सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना जानकीपुरम लखनऊ की पुलिस टीम एवं क्राइम टीम कोतवाली सदर लखीमपुर खीरी द्वारा संयुक्त रूप से मिलकर अभियुक्त राजेश पुत्र बीरु निवासी ग्राम मेदनिया, थाना कोतवाली सदर, जनपद लखीमपुर खीरी, उम्र 31 वर्ष को जानकीपुरम में गिरफ्तार किया गया जिनके पास मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित माल मशरूका बरामद हुई थी जिन्हे थाना जानकीपुरम लखनऊ में मु0अ0सं0 48/2024 धारा 380/454/411IPC थाना जानकीपुरम लखनऊमें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।अपराध का संक्षिप्त विवरण बताते हुए पुलिस ने कहा कि दिनांक–23.02.2024 को महेन्द्र कुमार पुत्र विश्राम लाल निवासी 7/641 जानकीपुरम लखनऊ द्वारा एक किता प्रार्थना पत्र बावत अज्ञात व्यक्ति द्वारा वादी के मकान में दिन में घुसकर आलमारी में रखे सोने चांदी के गहने व नगदी चोरी कर लेने के संबन्ध में प्रस्तुत किया था जिसके आधार पर थाना स्थानीय मु0अ0सं0 48/2024 धारा 380/454 भादवि थाना जानकीपुरम लखनऊ पंजीकृत किया गया था पूर्व में दिनांक 16/02/2024 को घटना में संलिप्त प्रकाश में आए चार अभियुक्तो में से 03 नफर अभि० गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है जिसमें बरादमी के आधार पर धारा 411 भादवि की पूर्व में बढ़ोत्तरी की गई तथा वांछित चल रहे अभि० राजेश की पतारसी सुरागरसी की जा रही थी जिसमें दिनांक 22.02.2024 को मुखबिर खास की सूचना पर निवासी ग्राम मेदनिया, थाना कोतवाली सदर, जनपद लखीमपुर खीरी में थाना जानकीपुरम लखनऊ पुलिस बल एवं क्राइम टीम कोतवाली सदर लखीमपुर खीरी द्वारा संयुक्त रूप से मिलकर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित मुल्जिमान राजेश पुत्र बीरु निवासी ग्राम मेदनिया, थाना कोतवाली सदर, जनपद लखीमपुर खीरी मय माल के साथ मु0अ0सं0 48/2024 धारा 380/454/411 IPC थाना जानकीपुरम लखनऊ के सम्बन्ध में अवगत कराते हुये गिरफ्तार किया

गया था जिनकी मौके पर गिरफ्तारी एवं बरामदगी फर्द बनाई गई जिन्हें थाना स्थानीय पर लाकर दिनाँक 23.02.2024 को लाकर दाखिला गया। अभियुक्त राजेश उपरोक्त को थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 48/2024 धारा 380/454/411 IPC में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

फ्रेशर सॉफ्ट स्किल्स, कम्युनिकेशन पर दें ध्यान – सचिन सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल (सीटीपीसी) द्वारा शनिवार को एक नयी शुरुआत की

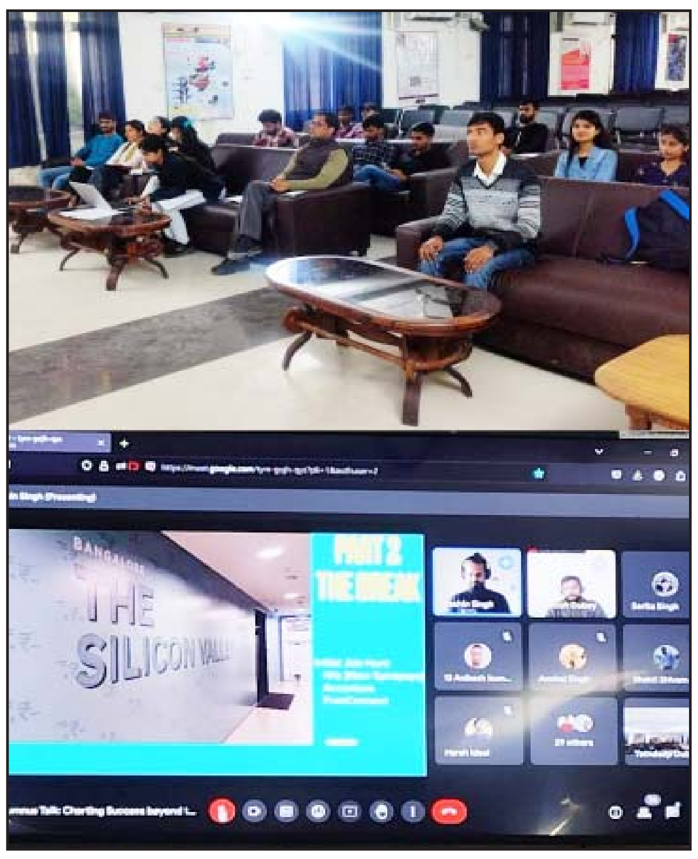

गई। इसमें विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र सचिन सिंह जो कि लीड सिक्योरिटी इंजीनियर के रुप में अमेजन डब्लिन, आयरलैंड में कार्यरत हैं उनकी आनलाईन मीटिंग कराई गयी। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में सचिन सिंह ने कहा कि आपको एक फ्रेशर के रूप में कोई भी कम्पनी नौकरी थाली में आसानी से परोस कर नहीं देती। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद माक इंटरव्यू व प्रतिदिन अपने व्यवसाय से संबंधित नयी चीजों को निरंतर सीखना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मैंने छोटी उभरती हुई कंपनी जिसमें तनख्वाह कम थी परन्तु सिखने को बहुत कुछ मिला। उन्होंने बच्चों के कई प्रश्नों के उत्तर जैसे षकि कालेज में क्या अलग करें जिससे कि नौकरी मिलेष। इस पर उन्होंने बताया डिसीप्लिन, सॉफ्ट स्किल और कम्युनिकेशन स्कील पर विशेष ध्यान दें। इतने वर्षों बाद विश्वविद्यालय से जुड़ के भावुक हो गए और कहा मुझे गर्व है कि मैं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का छात्र रहा हूँ व भविष्य में किसी भी प्रकार कि मदद का भी आश्वासन दिया । प्रो. प्रदीप कुमार कोऑर्डिनेटर , सेंटर ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत OIA और सेन्ट्रल ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में ये नियम है कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन हो। कार्यक्रम कि शुरुआत में गरिमा पांडेय ने स्वागत और परिचय कराया। मंच का संचालन यत्नदीप दुबे एवं धन्यवाद ज्ञापन अनुशा वर्मा ने दिया। कार्यक्रम में अवनीश दुबे, सरिता सिंह , प्रकृति गुप्ता, विकास यादव, नवनीत मौर्य, आकाश कुमार, अनामिका पाल,शिवांश, रितेश, विकास, मानसी, अनुष्का आदि उपस्थित रहे।

मॉडीफाई साइलेंसर,बगैर हेल्मेट व काली फिल्म लगाकर चलने वाले चालकों पर यातायात पुलिस का चला हंटर'

'सुल्तानपुर' मिस्ड फायर करने वाला मॉडीफाई साइलेंसर बाईक,बगैर हेल्मेट लगाए फर्राटा भरने वाले,काली फिल्म और बगैर शीटबेल्ट चलने वाले चालकों की खैर नहीं,वृहस्पतिवार को सुबह से शाम तक यातायात पुलिस प्रभारी चंद्रभान वर्मा भारी भरकम टीम के साथ नगर क्षेत्र के टांटिया नगर,माल गोदाम,रोडवेज बस स्टाप व राहुल चौराहा स्थित सघन चेकिंग लगाकर दो व चार चक्का वाहन चालकों और गाडियों के अभिलेखों की विधिवत जांच पड़ताल की,जांच में कई दो व चार चक्का वाहन गिरफ्त में आए,प्रभारी यातायात ने भारी जुर्माना लगाते हुए

भविष्य में दोबारा गल्ती ना करने की चेतावनी दी,सूत्र बताते है की यातायात पुलिस मॉडीफाई साइलेंसर बाईक पर भृकुटि तिरछी कर दिया है,ऐसी बाईक सड़को पर फर्राटा भरते दिखी तो वाहन स्वामी के लिए दिक्कतें बढ़ सकती है।श्री वर्मा ने बताया की नगर के चौराहों पर चेकिंग के दरमियान वाहन चालको को यातायात पुलिस जागरूक भी करती है,उनसे अपील भी करती है की अपने वाहन को सड़क पर लाने से पहले आपको क्या,क्या सावधानियां रखनी है,तथा यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए वाहन चालकों के लिए आवश्यक क्या है।टीम में यातायात उप निरीक्षक काजी हुजूर आलम,टीएसआई छोटेलाल व शिव शंकर यादव, मेजर बेलाल अहमद सहित दिवान तथा यातायात पुलिस के आरक्षी,गार्ड और पीआरडी जवान मौजूद रहे।

'संत शिरोमणि सद्गुरु रविदास जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई'

सुलतानपुर। बल्दीराय ब्लॉक क्षेत्र के इसौली गाँव मे संत शिरोमणि सद्गुरु रविदास जी जयंती कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम

के मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ऋबल्दीराय ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह द्वारा संत रविदास जी की चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की व उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत रविदास की जयंती प्रत्येक वर्ष माघ माह की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है। संत रविदास ने अपना जीवन प्रभु की भक्ति और सत्संग में बिताया था, वे बेहद ही परोपकारी थे। ऐसा कहा जाता है कि इन्हें मीरा बाई भी अपना गुरु मानती थीं। संत रविदास जी की वाणी को अपने जीवन मे उतारने की जरूरत है। ऐसे महापुरुष को अपना आदर्श मान कर जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। संत रविदास जी अपने जीवन काल में बड़े ही धार्मिक स्वभाव के थे. संत रविदास जी ने समाज को बिना भेदभाव के साथ मिलजुल कर रहने का संदेश दिया. कार्यक्रम में अयोध्या से पधारे प्रवचन पूज्य संत सतनाम सनातन जी महाराज द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर व संत रविदास जी के जीवन चरित्र को लोगो के बीच कार्यक्रम में सुनाया गया व लोक कलाकारों द्वारा समाजिक गतिविधियों पर नाट्य व नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संचालन डॉक्टर प्रेमनाथ प्रेम व अध्यक्षता श्रीपाल पासी द्वारा की गई। इस मौके पर अजीत गौतम, संदीप राव भारती, राहुल बौद्ध, बब्लू तिवारी, सोनू कोरी, करिया राव, भारती, राम लगन, बाबूलाल, भरतलाल, सतीश, राम उदित, भुजंगी, चंद्रप्रकाश, हंसराज, रविन्द्र कुमार, रामलाल रावत समेत बड़ी संख्या में महिला–पुरुष उपस्थित थे।

कौशल विकास मिशन में किताबें तथा ड्रेस वितरित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकाश मिशन, लखनऊ के अंतर्गत श्री शिवाय एजुकेशन एंड वेलफेयर एसोसिएशन संस्था, कृष्णा नगर, लखनऊ में इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के छात्रों को किताबें तथा यूनिफार्म वितरण किया गया। जिसमे संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर पंकज गुप्ता, इंजिनियर पी कुमार यादव रीजनल डायरेक्टर तथा विवेक सिंह जिला प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट लखनऊ, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन लखनऊ भी मौजूद रहे।

इसौली विधायक मोहम्मद ताहिर खान नेगौरा बरामऊ में स्ट्रीट लाइट जलाकर किया उद्घाटन साथ–साथ लगाई चौपाल'

सुल्तानपुर। इसौली विधायक मोहम्मद ताहिर खान का जगह–जगह पर जनसंपर्क जारी ग्राम पंचायत गौरा बरामऊ में लगी हुई स्ट्रीट लाइट को जलाकर किया उद्घाटन लाइट जलते ही ग्राम वासियो में खुशी का माहौल है ग्राम वासियों ने इसौली विधायक को धन्यवाद दिया और बताया कि इस जगह पर लाइट लगने से राहगीरों के साथ–साथ शादी विवाह के मौके पर यह लाइट काफी काम आएगी इसौली विधायक अपने कार्यशैली और जनसंपर्क की वजह से चर्चा में बने रहते हैं। अभी हाल ही में विधानसभा सत्र में क्षेत्र की समस्याओं की आवाज को बुलंद की जिसकी हर जगह चर्चा आम थी विधायक ने बताया कि क्षेत्र में तीन संपर्क मार्ग का बनाई जाएगी जिससे क्षेत्र वासियों को सहूलियत मिलेगी निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की अनियमिताएं बर्दाश्त नहीं की जाएगी क्षेत्र के विकास के लिए मैं हमेशा प्रयास रत रहता हूं कल शाम क्षेत्र के पारा बाजार सेमरा धुनिया पर लगे हुए बसंत मेला इसके बाद अरवल होते हुए गौरा में चौपाल लगाकर जन समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित

किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान अकबर अली बीडीसी अब्दुल्ला पूर्व प्रधान अब्दुल रहमान प्रेम प्रकाश यादव रामबरन रामसुख, बीडीसी तनवीर स्वामीनाथ यादव बृजेश यादव जहीर फजलु इस्लाम आदि सैकड़ो की तादाद में लोग मौजूद रहे।

डीएम नितीश कुमार की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न

बैठक में डीएम ने विभिन्न बिंदुओं पर कर्मियों को दिये निर्देश

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। डीएम नितीश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति एवम् जिला पोषण समिति की बैठक संपन्न हुई।बैठक में डीएम नीतीश कुमार ने प्रस्तुत एजेंडों पर समीक्षा किया

तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।इससे पहले उन्होंने बैठक में जनपद के राजकीय चिकित्सालयों में कार्यरत विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दी जा रही सेवाओं/सर्जरी की समीक्षा में और भी गुणवत्तापरक सेवाओं सहित सर्जरी को बढ़ाने के निर्देश दिए।जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव में और भी प्रगति लाने के निर्देश के साथ साथ लाभार्थियों का भुगतान शत प्रतिशत सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में शून्य प्रसव कराने वाली आशाओं को चेतावनी पत्र जारी करने जनपद को क्षय रोग से मुक्त करने के लिए और भी सघन प्रयास करने के कड़े निर्देश दिए।उन्होंने जनपद के राजकीय चिकित्सालयों में कार्यरत विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दी जा रही सेवाओं/सर्जरी की समीक्षा में और भी गुणवत्तापरक सेवाओं सहित सर्जरी को बढ़ाने के निर्देश दिए।जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव में और भी प्रगति लाने के निर्देश दिये। ई श्रुश्रत एवम टेली कंसल्टेंसी सेवाओं में और भी विस्तार किए जाने के निर्देश दिए। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत प्री ओथ प्रति सीएचसी पर 30 एवम जनपदीय चिकित्सालयों पर 75 सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने गोल्डन कार्ड का लक्ष्य पूर्ण न करने वाले संबंधित अधिकारियों एवम सभी ब्लॉक अधीक्षको को चेतावनी देते हुए निर्देशित किया कि शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण किया जाय। जनपद के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर आधारभूत सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। कायाकल्प के लिए चयनित चिकित्सा इकाईयों को प्राप्त धनराशि का इस्तेमाल करने व कमियों को अविलंब दूर कराकर कर लिया जाए।जिलाधिकारी ने पोषण समिति की बैठक में कहा कि जनपद में सघन कार्य करते हुए चिन्हित कुपोषित बच्चों को निर्धारित पोषाहार का असमय वितरण करने के साथ साथ उनका उपचार समय से सुनिश्चित कराए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि चिन्हित कुपोषित बच्चों का उपचार हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर सीएचओ के द्वारा कराया जाय एवं सेंटर पर दवा की उपलब्धता कराई जाय इसी क्रम में जिलाधिकारी ने क्षय रोग नियन्त्रण अभियान के अंतर्गत जनपद को क्षय रोग से मुक्त करने के अभियान के अंतर्गत कार्यक्रमों की समीक्षा की। जिलाधिकारी द्वारा जनपद को क्षय रोग से मुक्त करने के लिए और भी सघन प्रयास करने के कड़े निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री ऋषिराज, मुख्य चिकित्साधिकारी के साथ–साथ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डी0पी0ओ0, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, संबंधित विभागों के जनपदीय अधिकारी, नोडल अधिकारी, सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक, संस्थाओं के प्रतिनिधि, डीपीएम, डीसीपीएम एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फेमिना मिस इंडिया के लिए चयनित विदुषि दुबे ने राम लला के दरबार में दी अपनी प्रस्तुति

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। राम नगरी में आयोजित रामोत्सव 22 फरवरी से 24 फरवरी में हुआ।जिसे उत्तर प्रदेश के संस्कृति विभाग ने आयोजित किया। इसमें भारत के प्रमुख कथक कलाकार, श्री दीपक अरोड़ा और उनके उच्च कला प्राप्त शिष्यों – स्पृहा महेश्वरी, सोहना सिंह, आकाश दास, राहुल कुमार, अंशिका बांगड़, और विदुषि दुबे ने चमकीली प्रस्तुति दी।दीपक अरोड़ा और उनकी टीम की सुंदर कथक प्रदर्शन ने भगवान राम की अविस्मरणीय कहानियों को शिव स्तुति, राम भजन, सरगम, शुद्ध नृत्य और कई अन्य पारंपरिक संगीत संगीतों के माध्यम से सुरमा किया।जिसमें सबसे अधिक श्रृंगार और गहराई थी। इन शिष्यों में से एक,अयोध्या की विदुषी दुबे पिछले साल की फेमिना मिस इंडिया के मुम्बई ऑडिशंस तक पहुँची हैं। वे इस साल भी मिस इंडिया में भाग लेने जा रही हैं।

शिरोमणि भक्त रविदास जी का जन्मोत्सव मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। शिरोमणि भक्त रविदास जी का जन्मोत्सव दिनॉक 24.02.2024 दिन शनिवार को श्री गुरु सिंह सभा,ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव जी नाका हिंडोला,लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के साथ मनाया गया।

प्रातः का विशेष दीवान 6. 15 बजे आरम्भ हुआ जो 10.00 बजे तक चला। जिसमें श्री सुखमनी साहिब के पाठ के उपरान्त हजूरी जत्था भाई राजिन्दर सिंह जी ने अपनी मधुरवाणी में:– (1)–बेगमपुरा सहर को नाउ दूखु अंदोहु तिही ठाउ।

(2)–माटी को पुतरा कैसे नचतु है,देखै देखै दउरिओ फिरत है।।

शबद कीर्तन गायन द्वारा समूह साध संगत को निहाल किया। मुख्य ग्रंथी ज्ञानी सुखदेव सिंह जी ने शिरोमणि भक्त रविदास जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आपका जन्म बनारस में हुआ था। बनारस में ही आप का सारा जीवन व्यतीत हुआ। रविदास जी तथाकथित नीची जाति के थे। नीची जाति होने के बावजूद भी आप ने ज्ञान की परम अवस्था का प्राप्त होना आपकी शख्सियत को विशेष बनाता है। उनकी नजर में उच्च जाति के लोग और नीच जाति के लोग सब एक समान थे। वह अपना पुश्तैनी कर्म बड़े सम्मान के साथ करते थे। जूते बनाना उन्हें कतई बुरा नहीं लगता था। अपनी जाति को छुपाने का उन्होंने कभी प्रयत्न नहीं किया। रविदास जी ने परमपिता परमात्मा के कई बार दर्शन किये। इस बारे में रविदास जी ने अपनी बाणी में लिखा है कि जहाँ प्रभु रहता है वह नगरी गम से रहित है। किसी तरह का दुख व परेशानी वहाँ नही होती। प्रभु के घर में कोई किसी से नही डरता और न ही कोई किसी को डराता है। इसी प्रकार हर मनुष्य को ऊँच–नीच, जातिवाद, भेदभाव से हटकर भक्त रविदास जी के दिये उपदेशों पर चलकर अपना जीवन सफल बनाने का प्रयत्न करना चाहिये। भक्त रविदास जी के 40 शबद श्री गुरु ग्रन्थ साहिब में दर्ज हैं जिनके द्वारा मनुष्य के बचपन से लेकर जीवन के अन्तिम समय तक प्रकाश डाला गया है। जब समूह जगत श्री गुरु ग्रन्थ साहिब को माथा टेकता है तो वह भक्त रविदास जी के समक्ष भी नतमस्तक होता है। कार्यक्रम का संचालन स0 सतपाल सिंह "मीत" ने किया।

दीवान की समाप्ति के पश्चात् लखनऊ गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने आई साध संगत को शिरोमणि भक्त रविदास जी के जन्म दिवस की बधाई दी। तत्पश्चात महामंत्री हरमिंदर सिंह टीटू एवं कुलदीप सिंह सलूजा की देखरेख में दशमेश सेवा सोसाइटी के सदस्यों द्वारा गुरु का लंगर श्रधालुओं में वितरित किया गया।

मेहताब, चेतक सहित एक दर्जन घोड़े बढ़ा रहे पुलिस लाइन स्थित अश्वशाला की शोभा

अच्छे कार्य के चलते प्रभारी अश्वशाला व अन्य कर्मी हो चुके है सम्मानित

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। पुलिस लाइन स्थित अश्वशाला में पल रहे मेहताब, निराला,चेतक, राबर्ट,पीटर सहित एक दर्जन मजबूत व सुडौल घोड़े शोभा बढ़ा रहे हैं।घुड़सवार के इशारे को समझते ही यहां पर मौजूदा घोड़े एक से बढ़कर एक करतब दिखाने लगते हैं। और हो भी क्यों न इसमें यहां पर तैनात अश्वशाला प्रभारी शारदा प्रसाद यादव व उनकी टीम की सराहनीय भूमिका दिखाई दे रही है। जिसके चलते अश्वशाला प्रभारी शारदा प्रसाद यादव को उनके द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्य के चलते जहां एक ओर केन्द्र सरकार की ओर से अति उत्कृष्ट सम्मान व राज्य सरकार द्वारा उत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।वहीं अश्वशाला में पल रहे घोड़ों की अच्छी तरह से देखमाल के लिए वहां पर तैनात कांस्टेबल राजनाथ व सुखांशु को राज्य सरकार द्वारा उत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित किया।जबकि घोड़ों के साफ सफाई के लिए तीन अश्व पालको (साइस) की तैनाती की गई है।घुड़सवार प्रभारी श्री यादव ने बताया कि वर्तमान समय में पुलिस लाइन में एक दर्जन एक से बढ़कर एक अच्छे नस्ल के सुडौल घोड़े अस्तबल की शान बढ़ा रहे हैं।जिसमें सबसे अधिक उम्र महताब नामक घोड़े की तथा सबसे कम उम्र तेज नामक घोड़े की

है।उन्होंने बताया कि इसके अलावा पुलिस लाइन में निराला,चेतक, निडर, राबर्ट,पीटर, पन्ना,राक स्टार,सूरज,दक्ष व बहादुर नामक घोड़े शामिल हैं।सभी घोड़े एक से बढ़कर एक करतब दिखाने में माहिर हैं।उन्होंने बताया कि इन घोड़ों की देखभाल बहुत ही अच्छी तरह से की जा रही है। इसके लिए एक घोड़े पर लगभग एक दिन में 417 रुपये भोजन व अन्य अन्य खर्च आता है। इन घोड़ों का योगदान गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, पुलिस लाइन मैदान पर आयोजित परेड के समय,दशहरा, दीपावली,होली,राम नगरी में पड़ने वाले प्रमुख स्नान सहित अन्य प्रमुख धार्मिक पर्वों पर रहता है।इन पर्वों पर शहर में प्रमुख मार्गों पर दो – दो घुड़सवार दो घोड़े के साथ निकलते हैं। वही प्रयागराज के कुंभ मेला में यहां से घोड़े मांग के अनुसार भेजे जाते है। उन्होंने बताया कि इस के बेड़े में शामिल सभी घोड़े यहां की शोभा बढ़ा रहे हैं।

इसौली विधायक ताहिर खान ने लिया बड़ा एक्शन

'सुल्तानपुर' मामला नैशनल हाइवे 56 बंधुआ कला स्टेशन के सामने का लगभग दो सौ मीटर अधूरा रहा हाईवे पर कार्य किया जा रहा था, इसौली विधायक ताहिर खान ने निरीक्षण किया जिसमें मोरंग की जगह मिट्टी का इस्तेमाल किया जा रहा था रद्दी क्वालिटी की सीमेंट का इस्तेमाल किया जा रहा था मौके पर इसौली विधायक ताहिर खान ने कार्य में किया जा रहे रद्दी क्वालिटी सामग्री को लेकर नाराज और कार्य को तुरंत रुकवा दिया वहीं से थाना बंधुआ कला रविंद्र सिंह को फोन कर कार्य में हो रही अनिमिता की सूचना दी विधानसभा क्षेत्र में इस तरीके से हो रहे काम की जानकारी डीएम एसडीएम को दूरभाष से करवाई मौके पर थाना बंधुआ कला पुलिस ने पहुंची 'इसौली विधायक मोहम्मद ताहिर खान ने बताया बंधुआ कला नेशनल हाइवे पर बन रही सड़क को चेक किया पाई घोर अनियमितता नेशनल हाइवे होकर

लखनऊ गुजर रहे थे तो रास्ते में नेशनल हाइवे बंधुआ कला रेलवे स्टेशन के समीप बन रही सड़क को जाएजा लिया तो घोर अनियमितता पाई गयी कबरई काली गिट्टी की जगह 90% मिट्टी एवं 10 फीसदी गिट्टी वह भी सफेद गिट्टी का प्रयोग किया जा रहा था उसे देख विधायक आग बबूला हो गए विधायक ने एसडीओ, एसडीएम से वार्ता कर सम्बंधित कार्रवाई संस्था के तीन कर्मचारियों थाना प्रभारी बँधुआ कलाँ को सुपुर्द कर जेल भेजने की कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

थाना पीजीआई पुलिस द्वारा नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर भाग ले जाने वाले 01 वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट लखनऊ एस० बी० शिरडकर,प्रबल प्रताप सिंह पुलिस उपायुक्त पूर्वी एवं पंकज कुमार

सहायक पुलिस आयुक्त कैन्ट लखनऊ के कुशल पर्यवेक्षण में प्र० नि० ब्रजेश कुमार तिवारी प्रभारी निरीक्षक थाना पीजीआई के नेतृत्व में उप निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार वर्मा मय हमराह का० बब्लू कुमार, का० सुमित के मु0अ0सं0– 0072/2024 धारा–363/366/376 भादवि व 3/4 पाक्सो एक्ट में नामजद अभियुक्त चमन उर्फ लाल की बउम्मीद गिरफ्तारी एवं सुरागरसी पतारासी हेतु थाना क्षेत्र में मामूर थे कि जरिये मुखबिर सूचना मिली कि आपके मुकदमे से सम्बन्धित अभियुक्त चमन उर्फ लाल सैनानी बिहार रायबरेली रोड थाना पीजीआई लखनऊ से कही जाने के लिए खड़ा है इस सूचना पर पुलिस वाले मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान पर पहुंचकर सैनानी बिहार रायबरेली रोड थाना पीजीआई पर खड़े व्यक्ति को एक बारगी दबिश देकर पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्ति से उसका नाम पता पूछा गया तो उसने अपना नाम चमन उर्फ लाल पुत्र स्व० मुन्नालाल कश्यप निवासी 8/565 निवासी रजनीखण्ड थाना आशियाना लखनऊ उम्र करीब 19 वर्ष बताया। जिसको उसके जुर्म धारा से अवगत कराते हुए गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। घटना का संक्षिप्त विवरण–दिनाक 10.02.2024 को वादी मुकदमा की बहन को अभियुक्त चमन उर्फ लाला पुत्र स्व० मुन्नालाल कश्यप निवासी 8<565 निवासी रजनीखण्ड थाना आशियाना लखनऊ द्वारा बहला फुसलाकर लेकर चले जाना तथा पीड़िता के साथ गलत कार्य करने के सम्बन्ध में पंजीकृत कराया गया था जिससे सम्बन्धित पीड़िता/अपहृता को पूर्व में बरामद कर आवश्यक कार्यवाही की जा चुकी है तथा अभियुक्त चमन उर्फ लाला उपरोक्त को सैनानी बिहार रायबरेली रोड थाना पीजीआई से दिनांक–23.02.2024 को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

चिनहट पुलिस ने रैकी कर नकबजनी करने वाला एक शातिर चोर किया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस आयुक्त लखनऊ एस०बी० शिरडकर के निर्देशानुसार पुलिस उपायुक्त पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह के निर्देशन तथा

अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी सय्यद अली अब्बास के कुशल पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त विभूतिखण्ड अनिद्य विक्रम सिंह के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अश्वनी चतुर्वेदी थाना चिनहट लखनऊ के कुशल नेतृत्व में दिनाँक 22.02.2024 को चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति वस्तु/वाहन तलाश वांछित/वारण्टी एवं अपराध एवं अपराधियो के रोकथाम के दौरान उप निरीक्षक दिनेश तिवारी मय हमराही अधि0/कर्मचारीगण के बंद मकानो का ताला तोड़कर कीमती वस्तुओ की चोरी करने वाला एक नफर शातिर चोर को लौलाई तिराहे के पास थाना चिनहट लखनऊ से समय 22.15 बजे गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के कीमती तार व बिक्री के 1310/–नगद बरामद किया गया। अनावरित अभियोग मे गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। अपराध का संक्षिप्त विवरण बताते हुए पुलिस ने कहा कि –अभियुक्त ने पूछताछ में बताया की साहब मै एक पैर से विकलांग हूं बैशाखी के सहारे चलता हूँ कड़ाई से पूछताछ करने पर बताया की साहब मैं अकेले ही थाना क्षेत्र चिनहट मे व आस पास के क्षेत्र में रैकी करता हूं तथा बंद मकानो की तलाश कर मौका पाकर मकान का ताला तोड़कर कीमती वस्तुओ व नगदी की चोरी कर लेता हूं ताला तोड़ने के लिये मै अपने बैग मे पिलास, पेचकस व मास्टर चि भी लेकर चलता हूं विकलांगता के सम्बन्ध मे पूछा गया तो बताया की कम उम्र मे ही पोलियो हो जाने के कारण मेरा एक पैर खराब हो गया घटना व बरामद माल के सम्बन्ध में पूछने पर बताया कि साहब कुछ दिन पहले काशीराम कालोनी लौलाई के पास एक माकान का ताला तोड़कर घर के अन्दर से कीमती तार चोरी किये थे तथा हाल ही मे प्रधान आटा चक्की लौलाई मे एक दुकान से बिजली का तार चोरी किये थे जिसे बिक्री करने के लिये बैग मे रखकर आज जा रहे थे की मौके पर आप लोगो द्वारा पकड़ लिया गया।

बक्शी के तालाब स्थित एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के स्टेडियम में चयन सम्पन्न हुआ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एथलेटिक्स खेल में अंतर्गत 20 वर्षीय के बालक और बालिकाओं के वर्ग में लखनऊ जिले की खिलाड़ियों का चयन एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन, बक्शी के तालाब के स्टेडियम में सम्पन्न हुआ। चयन प्रक्रिया में खिलाड़ियों ने भाग लिया। चयनित खिलाड़ियों का उद्घाटन 25 फरवरी 2024 को होने वाली 58वीं वार्षिक जूनियर अंडर 20 एथलेटिक्स चौंपियनशिप 2024 की प्रतियोगिता में होगा। चयनित खिलाड़ियों के नाम हैं शिखा (5000 मीटर), शुभी पाल (1500 मीटर), शिवप्रताप सिंह (लॉन्ग जंप), आशुतोष शर्मा (डिस्कस थ्रो), करण वर्मा (जैवेलिन थ्रो), मनोज यादव (10 किलोमीटर वॉक रेस), शुभम यादव (3000 मीटर), मंजीत (5000 मीटर), दिवाकर (200 मीटर), मोहित कुमार (100 मीटर), विक्रम सिंह (लॉन्ग जंप), नितिन (1500 मीटर), दिव्यांश मौर्या (400 मीटर), अमन पांडेय (जैवेलिन थ्रो) और अन्य खिलाड़ियों का चयन भी अन्य प्रतियोगिताओं में होगा।

सपा से टिकट के प्रबल दावेदार ने क्षेत्र की जनता से जनसंपर्क कर सपा के पक्ष में मांगा समर्थन'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'शाहजहांपुर'। ददरौल विधानसभा से सपा से संभावित उम्मीदवार ठाकुर लखन प्रताप सिंह ने होने वाले आगामी लोकसभा व ददरौल विधान सभा के उप चुनाव में जनता का विश्वास हासिल करने के लिए कमर कस ली है। उन्होंने ददरौल क्षेत्र की जनता से घर–घर जाकर लोगों से जनसंपर्क कर सपा के पक्ष में मतदान करने और ऐतिहासिक वोट से जीत सुनिश्चित करने की अपील की साथ ही उन्होंने कहा कि यदि ददरौल क्षेत्र की जनता ने मुझे सेवा करने का मौका दिया तो मैं विश्वास दिलाता हूं कि कभी जनता को निराश नहीं होने दूँगा। उन्होंने कहा कि मुझे क्षेत्र की जनता का प्यार और जन समर्थन लगातार मिल रहा है

और मेरे साथ उमड़ते जनसैलाब को देखकर अन्य पार्टियों की रात की नींद उड़ गई है। पीडीए जनसभा को संबोधित करते हुए लखन प्रताप सिंह ने कहा कि भाजपा की जन विरोधी नीतियों से त्रस्त जनता ने सपा के पक्ष में मतदान करने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के पिछड़े, दलित ,अल्पसंख्यक, बड़े बुजुर्गों, नवयुवकों, एवं महिलाओं का आशीर्वाद प्राप्त होने का सौभाग्य मुझे लगातार प्राप्त हो रहा है। इस बार कार्यकर्ताओं के लगातार परिश्रम और मिल रहे जनता के समर्थन व आशीर्वाद से सपा की जीत तय है।

परमात्मा को पाने के लिए साधन प्रेम है भाव – आचार्य शिवम जी महाराज

विशेष संवाददाता
जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज, जौनपुर। क्षेत्र के प्यारेपुर में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन आचार्य श्री शिवम जी महाराज ने अरिष्टासुर, केशी उद्धार, कंश बध आदि का विधिवत पूर्वक वर्णन किया तथा कथा के दौरान रुकमणी और कृष्ण के विवाह की भव्य झांकी दर्शन कर श्रोता झूम उठे।कथा के दौरान महाराज जी ने उद्धव जी का चरित्र सुनाते हुए कहा कि परमात्मा को पाने के लिए सबसे सरल साधन है प्रेम भाव क्योंकि भगवान ने ये खुद कहा है कि भाव का भूखा हु मैं तो भाव ही एक सार है, भाव से मुझको भजे तो भव से बेड़ा पार है। भाव बिना कुछ दे तो मैं कभी लेता नही ,भाव से भी एक फूल दे तो वो मुझे स्वीकार है।श्री महाराज जी ने बताया कि ज्ञान के बड़े अहंकार से वृन्दावन गये थे उद्धव जी लेकिन वहाँ जाने के बाद गोपियों को देखकर सारा ज्ञान धरा का धरा राह गया जब लौटे है छः महीने बाद तो ज्ञानी उद्धव नही प्रेमी उद्धव बनकर लौटे ।मुख्य यजमान पूर्व आईएएस देवेन्द्र कुमार सिंह, बीके सिंह आदि सहित अन्य लोगों ने कथा का श्रवण किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक
देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।